NEWS CLIPPING: 04.08.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose selected for AICTE's LITE Program

Manish Kumar
info@impressivetimes.com

FARIDABAD : J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has been selected for AICTE's Leadership in Teaching Excellence (LITE) Program. JC Bose University is the only State Government University from Haryana to be selected under the Program. Further, the University will be upgraded as 'AICTE Brand Ambassador of Change' to implement online teaching-learning methods that are aligned with National Education Policy, 2020. Also, two faculty members namely Dr. Payal Gulati and Amita Arora, both Assistant Professors in Computer Engineering have been selected for Leadership Training in teaching excellence on key goals of NEP 2020 under the Program. LITE is a national program to select and equip academic institutions with teaching excellence in software industry standards and become an aspirational benchmark for other academic institutions across the country. Expressing pleasure over the selection of University under the program, Prof. Dinesh Kumar said that the University has taken various initiatives to promote digital teaching-learning. Further, becoming part of this Program, it would provide an apt platform to the University to serve and share its expertise with other institutions across the country and help in realizing the goals of New Education Policy 2020.

While giving information in this regard, Chairperson of Computer Engineering Prof. Komal Kumar Bhatia said that 475 Academic Institutions from 28 states applied for the LITE program. Out of these, 136 Institutions across 22 States have qualified the selection process. The qualified institutions would have to sign a MoU with Pupilfirst Private Limited, a pioneering educational technology organization and founding member of National Educational Alliance for Technology (NEAT) programme of the Ministry of Education, which is implemented by AICTE.

NEWS CLIPPING: 04.08.2021

PUNJAB KESARI

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को लागू करने के लिए ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज बनेगा जे.सी. बोस विश्वविद्यालय

प्रोग्राम के अंतर्गत कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर का चयन

डॉ.पायल गुलाटी अमिता अरोड़ा

फरीदाबाद,3 अगस्त (ब्यूरो): जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद का चयन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई के लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस लाइट प्रोग्राम यानी शिक्षण में उत्कृष्टता लाने के लिए नेतृत्व करने वाले संस्थान के रूप में हुआ है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय कार्यक्रम के तहत चयनित होने वाला हरियाणा का एकमात्र राज्य सरकार का विश्वविद्यालय है। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग पद्धतियों को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय को एआईसीटीई ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज के रूप में अपग्रेड किया जायेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर डॉ. पायल गुलाटी और अमिता अरोड़ा का चयन कार्यक्रम के तहत शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किया गया है। जिन्हें नेतृत्व प्रशिक्षण के माध्यम से तैयार किया जायेगा। लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस शिक्षा मंत्रालय की पहल है जोकि एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों का चयन कर उन्हें सॉ टवेयर उद्योग मानकों के अनुरूप शिक्षण उत्कृष्टता के लिए सक्षम बनाना है ताकि ऐसे शिक्षण उत्कृष्टता के अनुरूप देश के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को तैयार किया जा सके। कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय के चयन पर प्रसन्नता जताते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने डिजिटल टीचिंग एवं लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर विश्वविद्यालय को देशभर के अन्य संस्थानों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग देने के लिए एक उपयुक्त मंच प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हमेशा शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने की पहल की है और उच्च मानदंड स्थापित किये है। उन्होंने आशा जताई कि कार्यक्रम का हिस्सा बनकर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक क्षमताओं का विस्तार होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए कंप्यूटर इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने बताया कि लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम के लिए देशभर से 28 राज्यों के 475 शैक्षणिक संस्थानों ने आवेदन किया था और इनमें से 22 राज्यों के 136 संस्थानों का चयन हुआ है। जिसमें हरियाणा से जे.सी. बोस विश्वविद्यालय एक मात्र राजकीय विश्वविद्यालय है।

NEWS CLIPPING: 04.08.2021

INDUSTAN

टीचिंग-लर्निंग प्रणाली को मजबूती देगा विश्वविद्यालय

चयन

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का चयन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के शिक्षण में उत्कृष्टता लाने के लिए नेतृत्व करने वाले संस्थान के रूप में हुआ है। यह विश्वविद्यालय चयनित होने वाला हरियाणा का एकमात्र राज्य सरकार का विश्वविद्यालय है। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में प्रस्तावित ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग पद्धतियों को लागू करने के लिए विश्वविद्यालय को एआईसीटीई ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज के रूप में अपग्रेड किया जायेगा।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर डॉ. पायल गुलाटी और अमिता अरोड़ा का चयन कार्यक्रम के तहत शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किया गया है, जिन्हें नेतृत्व प्रशिक्षण के जरिए तैयार किया जाएगा। लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस शिक्षा मंत्रालय की पहल है जोकि एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों का चयन कर उन्हें सॉफ्टवेयर उद्योग मानकों के अनुरूप शिक्षण उत्कृष्टता के लिए सक्षम बनाना है।

विश्वविद्यालय के चयन पर प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने डिजिटल टीचिंग एवं लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं। कार्यक्रम का हिस्सा बन विवि को देशभर के अन्य संस्थानों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग देने को उपयुक्त मंच मिलेगा।

475 शैक्षणिक संस्थानों ने किया था आवेदन

कंप्यूटर इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने बताया कि लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम के लिए देशभर से 28 राज्यों के 475 शैक्षणिक संस्थानों ने आवेदन किया था और इनमें से 22 राज्यों के 136 संस्थानों का चयन हुआ है, जिसमें हरियाणा से जेसी बोस विश्वविद्यालय एक मात्र राजकीय विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के अगले चरण में विश्वविद्यालय को प्यूपिल फर्स्ट प्राइवेट लिमिटेड जोकि एक शैक्षणिक प्रौद्योगिकी संगठन है, के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने होंगे।

विद्यार्थियों को यूपीएससी परीक्षा पास करने के टिप्स दिए

जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कैरियर एवं काउंसलिंग प्रकोष्ठ के अंतर्गत सिविल सर्विसेज फोरम द्वारा एलुमनी एसोसिएशन 'वाईएमसीए मॉब' के सहयोग से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के साथ एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की तथा विद्यार्थियों को यूपीएससी परीक्षा पास करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को इस तरह तैयार करने का प्रयास कर रहा है। सिविल सर्विसेज फोरम की समन्वयक डॉ. पारुल गुप्ता ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए इस मंच की स्थापना के लिए कुलपति को धन्यवाद दिया। संचालन डॉ. मानवी व डॉ. अश्लेषा गुप्ता ने किया।

NEWS CLIPPING: 04.08.2021

AMAR UJALA

विद्यार्थियों को दिए यूपीएससी पास करने के गुर

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के कॅरियर एवं काउंसिलिंग प्रकोष्ठ के अंतर्गत सिविल सर्विसेज फोरम द्वारा एलुमनी एसोसिएशन के सहयोग से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने छात्रों को यूपीएससी परीक्षा पास करने के टिप्स दिए।

सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को यूपीएससी परीक्षा पास करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को इस तरह तैयार करने का प्रयास कर रहा है जो सैद्धांतिक ज्ञान में दक्षता के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से योग्य बने। कार्यक्रम में उपस्थित आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों का स्वागत किया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के सलाहकार आईटीएस अनिल भारद्वाज भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए। सिविल सर्विसेज फोरम की समन्वयक डॉ. पारुल गुप्ता ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए इस मंच की स्थापना के लिए कुलपति को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मानवी एवं डॉ. अश्लेषा गुप्ता ने किया।

आईपीएस डॉ. अंशु सिंगला, डीसीपी एनआईटी फरीदाबाद ने विद्यार्थियों को कॅरियर के लिए प्रेरणा और तैयारी को लेकर महत्व दिया। आईएएस निशांत जैन, निदेशक राजस्थान पर्यटन ने विद्यार्थियों को समझाया कि यूपीएससी को क्यों चुनना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक और पूर्व छात्र आईएफएस योगेश गर्ग ने कॅरियर में विफलता के प्रभावों पर प्रकाश डाला। सत्र का समापन डॉ. अरविंद गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

सीटी दिल्ली सरकार
अभियंता वेस्ट-I